भारत के पद्मवीर

डॉ. ओमशंकर गुप्ता

पद्म पुरस्कार भारत के सबसे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार हैं। इनकी घोषणा 26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की जाती है। ये सम्मान तीन श्रेणियों—पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री में दिए जाते हैं। यह पुरस्कार कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामलों, विज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, खेल, सिविल सेवा आदि जैसे विभिन्न विषयों/गतिविधियों के क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को दिए जाते हैं।

'पद्म विभूषण' असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए, 'पद्म भूषण' उच्च स्तर की विशिष्ट सेवा के लिए और किसी भी क्षेत्र विशेष में विशिष्ट सेवा के लिए 'पद्म श्री' सम्मान प्रदान किए जाते हैं। यह पुरस्कार भारत के राष्ट्रपति औपचारिक समारोहों में प्रदान करते हैं।

पद्म पुरस्कारों का लक्ष्य है जन सेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों को सम्पानित करना। इससे व्यक्ति को, समाज को सामूहिकता में कार्य करने, देश सेवा करने की प्रेरणा मिलती है। जिसके लिए हर साल प्रधानमंत्री द्वारा चयनित पद्म पुरस्कार समिति इन पुरस्कारों के लिए नामों की सिफारिश करती है। चयन समिति के अध्यक्ष कैबिनेट सचिव होते हैं।

प्रस्तुत पुस्तक साल 2023 में दिए पद्म पुरस्कारों, उनके प्राप्तकर्ता हस्तियों के व्यक्तित्व और कृतित्व का उपयोगी और संग्रहणीय संकलन है। कुल 106 लोगों में 6 पद्म विभूषण, 9 पद्म भूषण और 91 पद्मश्री से अलंकृत हस्तियों की संक्षिप्त गाथा, कार्य और उनके चित्रों का समावेश किया गया है। आशा है पाठक इस पुस्तक को पढ़ कर इन हस्तियों से प्रेरित हो कर देश और समाज के हित में कार्य कर स्वयं की वृद्धि के साथ देश के विकास और समृद्धि में योगदान करेंगे।

डॉ. ओमशंकर गुप्ता (जन्म 1971, बांदा) छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में सहायक आचार्य के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय से पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातक और भोपाल में माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय से परास्नातक की उपाधि प्राप्त की है।

वे चित्रकूट के महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट से लोक संचार और पत्रकारिता विभाग से कंटेंट एनालिसिस में विद्या वाचस्पति (पीएचडी) की और गाजियाबाद के आई.आई.एच.एस. में पत्रकारिता विभाग में बतौर अतिथि शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं।

डॉ. गुप्ता ने जनसत्ता दिल्ली से प्रशिक्षण हासिल करने के बाद नई दिल्ली टाइम्स में सहायक संपादक, जैन टीवी, ईटीवी हैदराबाद में सहायक प्रोड्यूसर के तौर पर कार्य किया। वर्ष 2003 से 2022 तक इन्होंने नोएडा में सहारा टीवी न्यूज नेटवर्क में प्रोड्यूसर के तौर पर कार्य किया।

सामाजिक, राजनैतिक विषयों पर 2 दर्जन से अधिक लेख और आलेख प्रकाशित हो चुके हैं। पहली पुस्तक वर्ष 2000 में पुलिस की छवि पर प्रकाशित। 2020 में डॉ. गुप्ता के सामाजिक विषय पर उपन्यास "ज़िंदगीः एक धूप छांव" चर्चा में रहा। इनके 11 शोध पत्र देश में पत्रकारिता और जनसंचार के प्रतिष्ठित जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं।

Cover Design by : The Creativeart

₹ 340/-

ISBN 978-81-969712-1-2

ISBN 819697121-4

9788196971212

प्रवासी प्रेम
पब्लिशिंग, इंडिया

भारत के पद्मवीर

भारत के पद्मवीर

डॉ. ओमशंकर गुप्ता

पी. पी. पब्लिशिंग, भारत

ISBN 978-81-969712-1-2

पहला संस्करण : 2024 (*शक* 1945)

© लेखकाधीन

Bharat ke Paramveer (*Hindi Original*)

₹ 340.00

पी. पी. पब्लिशिंग प्रा. लि. भारत

3/186 राजेंद्र नगर, सेक्टर-2, साहिबाबाद,
गाजियाबाद 201005 द्वारा प्रकाशित।

टाईपसेटिंग - **नूतन ग्राफिक्स,** साहिबाबाद

आमुख पृष्ठ - नरेंद्र त्यागी

www.pppublishingindia.press

अनुक्रम

पुरोवाक xi

आभार xii

शुभकामना संदेश xiv

भूमिका xix

पद्म विभूषण

पुरस्कार विजेता और उनका परिचय

1. श्री बी वी दोषी, गुजरात 1

2. उस्ताद जाकिर हुसैन, महाराष्ट्र 4

3. एस एम कृष्णा, कर्नाटक 5

4. डॉ दिलीप महालनोबिस, पश्चिम बंगाल 7

5. एस आर श्रीनिवास वर्धन, अमेरिका 9

6. मुलायम सिंह यादव, उत्तर प्रदेश 11

पद्म भूषण

पुरस्कार विजेता और उनका परिचय

1. एस एल भैरप्पा, कर्नाटक 15

2. कुमार मंगलम बिड़ला, महाराष्ट्र 17

3. प्रो. दीपक धर, महाराष्ट्र 19

4. वाणी जयराम, तमिलनाडू 20

5. चिन्ना जीयर स्वामी, तेलंगाना 22

6. सुमन कल्याणपुर, महाराष्ट्र 24

7. प्रो. कपिल कपूर, दिल्ली 26

8. सुधा मूर्ति, कर्नाटक 28
9. कमलेश डी. पटेल, तेलंगाना 30

पद्मश्री

पुरस्कार विजेता और उनका परिचय

1. डॉ सुकामा आचार्य, हरियाणा 33
2. जोधइया बाई बैगा, मध्य प्रदेश 35
3. प्रेमजीत बारिया, दीव 36
4. ऊषा बारले, छत्तीसगढ़ 37
5. मुनीश्वर चंद डावर, मध्यप्रदेश 38
6. हेमंत चौहान, गुजरात 40
7. भानुभाई चितारा, गुजरात 42
8. हेमोप्रोवो चुटिया, असम 44
9. नरेंद्र चंद्र देबबर्मा, त्रिपुरा 46
10. सुभद्रा देवी, बिहार 47
11. खादर वल्ली डुडेकुला, कर्नाटक 48
12. हेमचंद्र गोस्वामी, असम 50
13. राधा चरण गुप्ता, उत्तर प्रदेश 52
14. प्रीतिकाना गोस्वामी, पश्चिम बंगाल 54
15. मोडादुगु विजय गुप्ता, तेलंगाना 56
16. अहमद हुसैन और मुहम्मद हुसैन, राजस्थान 58
17. दिलशाद हुसैन, उत्तर प्रदेश 60
18. भीकू राम जी इदाते, महाराष्ट्र 61
19. सी आई इसाक, केरल 62
20. रत्तन सिंह जग्गी, पंजाब 63
21. बिक्रम बहादुर जमातिया, त्रिपुरा 64

22. राकेश राधेश्याम झुनझुनवाला, महाराष्ट्र 66
23. रामकुईवांग्बे जेने, असम 68
24. रतन चंद्र कर, अंडमान निकोबार 69
25. महीपत कवि, गुजरात 71
26. एम एम कीरावानी, आंध्र प्रदेश 72
27. अरीज खंबाटा, गुजरात (मरणोपरांत) 73
28. परशुराम कोमाजी खुणे, महाराष्ट्र 74
29. गणेश नागप्पा कृष्णाराजनागरा, आंध्र प्रदेश 75
30. मागुनी चरण कुंअर, उड़ीसा 76
31. आनंद कुमार, बिहार 77
32. अरविंद कुमार, उत्तर प्रदेश 78
33. डोमार सिंह कुंवर, छत्तीसगढ़ 79
34. राइजिंगबोर कुर्कलांग, मेघालय 80
35. हीराबाई लोबी, गुजरात 82
36. मूलचंद लोढ़ा, राजस्थान 84
37. रानी मछैया, कर्नाटक 86
38. अजय कुमार मांडवी, छत्तीसगढ़ 87
39. प्रभाकर भानुदास मांडे, महाराष्ट्र 89
40. गजानन जगन्नाथ माने, महाराष्ट्र 90
41. अंतरयामी मिश्रा, उड़ीसा 91
42. नादोजा पिंडीपापालोहल्ली, कर्नाटक 92
43. प्रोफेसर डॉक्टर महेंद्र पाल, गुजरात 93
44. उमा शंकर पाण्डेय, उत्तर प्रदेश 95
45. रमेश परमार और शांति परमार (दोनों), मध्य प्रदेश 97

46. डॉ नलिनी पार्थसारथी, पुड्डुचेरी 98
47. डॉ. हनुमंत राव पसुपुलेटी, तलंगाना 99
48. रमेश पतंगे, महाराष्ट्र 101
49. कृष्णा पटेल, उड़ीसा 102
50. के कल्याणसुंदरम पिल्लई, तमिलनाडू 103
51. वी पी अप्पुकुटन पोडुवल, केरल 104
52. कपिल देव प्रसाद, बिहार 105
53. एस आर डी प्रसाद, केरल 107
54. शाह रशीद अहमद कादरी, कर्नाटक 108
55. सी वी राजू, आंध्र प्रदेश 109
56. बक्शी राम, हरियाणा 110
57. चेरुवायल के रामन, केरल 111
58. सुजाथा रामदोरई, कनाडा 113
59. ए नागेश्वर राव, आंध्र प्रदेश 114
60. परेश भाई राठवा, गुजरात 116
61. बी रामकृष्ण रेड्डी, तलंगाना 117
62. मंगला कांति रॉय, पश्चिम बंगाल 119
63. के सी रनरेमसंगी, मिजोरम 120
64. वेडिवल गोपाल और मासी सदैयान, तमिलनाडू 121
65. प्रोफेसर मनोरंजन साहू, उत्तर प्रदेश 122
66. पातयत साहू, उड़ीसा 123
67. रित्विक सान्याल, उत्तर प्रदेश 124
68. कोटा सच्चिदानंद शास्त्री, आंध्र प्रदेश 125
69. शंकुरात्रि चंद्र शेखर, आंध्र प्रदेश 127

70. के शाना थोइबा शर्मा, मणिपुर 128
71. नेकराम शर्मा, हिमाचल प्रदेश 129
72. गुरुचरण सिंह, दिल्ली 130
73. लक्ष्मण सिंह, राजस्थान 131
74. मोहन सिंह, जम्मू-कश्मीर 132
75. थौनाओजम चाओबा सिंह, मणिपुर 133
76. प्रकाश चंद्र सूद, आंध्र प्रदेश 135
77. नेहुनुओ सोरही, नागालैंड 137
78. जानुम सिंह सोय, झारखंड 138
79. कुशोक थिकसे नवांग चंबा स्टैनज़िन, लद्दाख 139
80. एस सुब्बारामन, कर्नाटक 141
81. मोआ सुबोंग, नागालैंड 142
82. पालम कल्याणसुन्दरम, तमिलनाडू 143
83. रवीना रवि टंडन, महाराष्ट्र 146
84. विश्वनाथ प्रसाद तिवरी, उत्तर प्रदेश 147
85. धनीराम टोटो, पश्चिम बंगाल 149
86. तुला राम उप्रेती, सिक्किम 151
87. डॉ. गोपालसामी वेलुचामी, तमिलनाडू 152
88. ईश्वर चंदर वर्मा, दिल्ली 153
89. कूमी नारीमन वाडिया, महाराष्ट्र 154
90. करमा वांग्चू (मरणोपरांत), अरुणाचल प्रदेश) 155
91. गुलाम मोहम्मद जाज, जम्मू-कश्मीर 156

पुरोवाक

पद्म पुरस्कार : सेवा और समर्पण का नागरिक सम्मान

पुरस्कार और सम्मान केवल व्यक्ति को ही अलंकृत नहीं करते, बल्कि वह उस समाज का भी दर्पण होते हैं- जो अपने लोगों की प्रतिभा और परिश्रम का सम्मान करता है। उसे आदर देना जानता है। कृतज्ञता का भाव रखता है। यह भाव ही महत्वपूर्ण है और प्रेरणा का कारक भी।

अमृत काल में देश विकसित भारत के संकल्प की सिद्धी का अभिलाषी है। दुनिया की नजर हम पर है और हमारी सृष्टि भारत के युवा है। आज के युवा चुनौतियों से शायद उतने भिज्ञ नहीं हैं। जिन्हें इस राष्ट्र ने देखा-भोगा है। पर युवाओं को इसका भान जरूर होना चाहिये। हम आज जो भी है- पीढ़ियों के बलिदान, समर्पण और निष्ठा की बदौलत हैं। नई पीढ़ी इस सत्य को और तथ्य को जाने बिना देश की विरासत से शायद उतने सकारात्मक भाव से नहीं जुड़ पायेगी।

इस पुस्तक के लेखक डॉ. ओम शंकर गुप्ता ने इस चुनौती को न सिर्फ स्वीकार किया है, बल्कि खाई पाटने के संकल्प को साकार भी किया है। इस पुस्तक में उन 106 विभूतियों की जीवन - यात्रा को शामिल किया गया है जिन्हें पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। इस महत्वपूर्ण संकलन के माध्यम से उन विभूतियों की प्रेरक और प्रमाणिक जानकारी मिल सकेगी, जिन्हें पद्म पुरस्कार प्रदान किये गए हैं।

भूमिका में मै, इस बात को विनम्रतापूर्वक स्पष्ट करना चाहूंगा कि प्रकाशन का उद्देश्य अनावश्यक महिमामंडन नहीं है। यह अहंकार भी नहीं है कि ऐसी सामग्री कहीं और है ही नहीं। यह पुस्तक तो एक प्रयास है राष्ट्र निर्माण की यात्रा के मील पत्थरों को रेखांकित करने का, उनकी विजयगाथा को रुचिकर रूप में आज के समाज को सुनाने का- आपको उकसाने का – जिससे सकारात्मक संकल्पों की सिद्धि की ओर नककारात्मकता को चीर कर आगे बढ़ा जा सके।

पुस्तक कथात्मक और विश्वविनीय सामग्री का दस्तावेज है। पुस्तक में लेखक डॉ ओमशंकर गुप्ता ने अनेक श्रोतों से प्राप्त समाग्री को अपने शब्दों में पिरोकर उसका